गोरखपुर से प्रकाशित

Title Code: UPBIL05289'

स्वदेशी इनक्रेडिबल

द्विभाषी (साप्ताहिक)

वर्ष–1 अंक–5 | गोरखपुर, रविवार 23 जुलाई 2023 | पृष्ठ–8 | मूल्य–2 रुपया

मणिपुर की घटना शर्मिंदा करने वाली है, मेरा दिल पीड़ा और क्रोध से भरा हुआ है : पीएम मोदी

नयी दिल्ली (एजेंसी)। संसद का मानसून सत्र गुरुवार से शुरू हो रहा

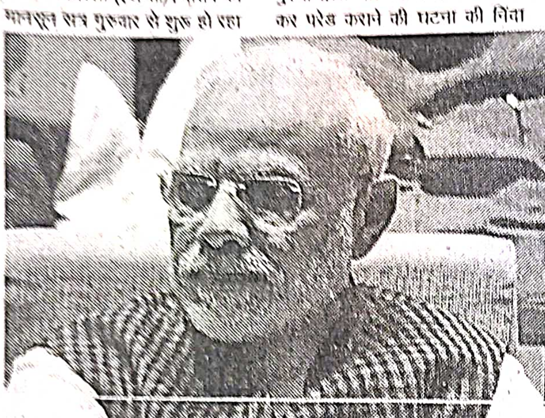

है। संसद के मानसून सत्र से पहले देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली बार मणिपुर हिंसा पर बयान दिया है।

पीएम मोदी ने मणिपुर में कुछ पुरुषों द्वारा दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर परेड कराने की घटना की निंदा की। पीएम मोदी ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा हमारी सरकार की प्राथमिकता है और इस तरह की घटनाएं बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। उन्होंने कहा कि इस घटना ने मुझे झकझोर कर रख दिया है, मेरा दिल पीड़ा और क्रोध से भरा हुआ है। इस घटना ने देश को शर्मिंदा कर दिया है। गुनाह करने वाले कितने और कौन है, वो अपनी जगह पर है पर बेइज्जती पूरे देश की हो रही है। मैं सभी मुख्यमंत्रियों से आग्रह करता हूं कि वो अपने राज्यों में कानून व्यवस्थाओं को और मजबूत करें। मैं देशवासियों को विश्वास दिलाता हूं कि किसी भी गुनहगार को बख्शा नहीं जाएगा। कानून अपनी पूरी शक्ति से और सख्ती से एक के बाद एक कदम उठाएगा। मणिपुर की इन बेटियों के साथ जो हुआ है इसको कभी माफ नहीं किया जाएगा। साथ ही पीएम मोदी ने कहा कि संसद में जो बिल लाए जा रहे हैं वो जनता की भलाई के लिए हैं। बता दें कि इस सत्र में कई बिलों को पेश किया जाएगा, ऐसा माना जा रहा है कि संसद का पहला मानसून सत्र हंगामेदार रहने वाला है।

मणिपुर की घटना पर स्मृति ईरानी का रवैया अक्षम्य : जयराम

नयी दिल्ली (एजेन्सी)।मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह से बात करने को इंतजार करने के लिए केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी की आलोचना करते हुए कांग्रेस महासचिव

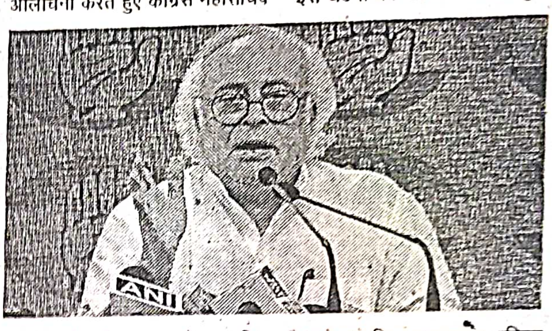

जयराम रमेश ने गुरुवार को कहा कि यह बिल्कुल अक्षम्य है। रमेश की टिप्पणी उस घटना के संदर्भ में आई, जो 4 मई को मणिपुर में व्यापक जातीय हिंसा भड़कने के ठीक एक दिन बाद हुई थी, जहां भीड़ द्वारा दो महिलाओं को सार्वजनिक रूप से नग्न घुमाया गया था और स्वदेशी जनजातीय नेता मंच (आईटीएलएफ) के अनुसार, उनके साथ सामूहिक बलात्कार भी किया गया। हाल ही में सोशल मीडिया पर इस घटना का वीडियो वायरल हुआ है। रमेश न ट्विटर पर कहा, मणिपुर में बड़े पैमाने पर जातीय हिंसा भड़के 78 दिन और उस भयानक घटना के 77 दिन हो गए, जहां दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाया गया और कथित तौर पर बलात्कार किया गया। मामले में आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किए भी 63 दिन बीत गए। उन्होंने लिखा, क्या केंद्र सरकार, गृह मंत्री या प्रधान मंत्री को इसकी जानकारी नहीं है?

मोदी सरकार सब कुछ ठीक है की तरह व्यवहार करना कब बंद करेगी? मणिपुर के सीएम को कब बदला जाएगा? ऐसी कितनी घटनाएं दबा दी गई हैं? मानसून सत्र आज से शुरू, भारत जवाब मांगेगा। चुप्पी तोड़िये प्रधानमंत्री जी। बुधवार रात ईरानी ने इस घटना की निंदा करते हुए इसे सर्वथा अमानवीय बताया। एक ट्वीट में, केंद्रीय मंत्री ने कहा मणिपुर से दो महिलाओं के यौन उत्पीड़न का भयावह वीडियो निंदनीय और पूरी तरह से अमानवीय है।

सीएम एन. बीरेन सिंह से बात की, जिन्होंने मुझे सूचित किया है कि जांच चल रही है और आश्वासन दिया है कि अपराधियों को न्याय के कठघरे में लाने के लिए पूरा प्रयास किया जाएगा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी चुप्पी से मणिपुर में अराजकता फैल गई है। कांग्रेस ने कहा कि वह गुरुवार से शुरू होने वाले संसद के मानसून सत्र के दौरान मणिपुर हिंसा का मुद्दा उठाएगी। गौरतलब है कि मणिपुर में जातीय हिंसा भड़कने के बाद से सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है जबकि हजारों लोगों को विस्थापित होना पड़ा है।

राज्यपाल ने राजभवन में कार्यरत महिलाओं द्वारा संकलित मिलेट्स व्यंजनों की पुस्तक ''श्री अन्न मन प्रसन्न'' का विमोचन किया

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने राजभवन के अन्नपूर्णा कक्ष में मिलेट्स की व्यंजन विधियों पर संकलित पुस्तक ''श्री अन्न मन

प्रसन्न'' पुस्तक का विमोचन किया। इस पुस्तक में राजभवन में कार्यरत महिला अधिकारी एवं कर्मचारियों ने मोटे अनाज से बनाए जाने वाले विभिन्न व्यंजनों की विधि (रेसिपी) साझा की है। ज्ञातव्य है कि माह अप्रैल, 2022 में राज्यपाल की प्रेरणा से राजभवन की महिला अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपने–अपने घरों से मोटे अनाज के व्यंजन बनाकर संयुक्त रूप से राजभवन में आयोजन कर स्वाद साझा किए थे। उन्होंने सभी सहकर्मियों को इन व्यंजनों को परोसा। इस आयोजन में राज्यपाल जी ने भी सहभाग किया था। स्वादिष्ट व्यंजनों की सुगन्ध में सहकर्मियों में व्यंजनों की रेसिपी जानने की उत्सुकता भी नजर आई, जिसे देखकर राज्यपाल जी ने प्रतिभागी महिला अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके द्वारा बनाए व्यंजनों की विधि पर पुस्तक संकलन के लिए प्रेरित किया गया। महिलाओं के विशेष प्रयास से लगभग 38 व्यंजनों पर आधारित इस पुस्तक का विमोचन करते हुए राज्यपाल जी ने सहभागी समस्त महिलाओं का उत्साहवर्द्धन किया। उन्होंने कहा घरों में माताएं जब इस प्रकार स्वास्थ्यवर्द्धक मोटे अनाज से व्यंजन बनाती हैं। तो बच्चों में उसके स्वाद की लालसा उत्पन्न होती है। इन व्यंजनों में स्वाद के साथ–साथ भरपूर पौष्टिकता भी है। इस अवसर पर पुस्तक में व्यंजन विधि साझा करने वाली राजभवन की समस्त महिला अधिकारी एवं कर्मचारीगणों के साथ अपर मुख्य सचिव श्री राज्यपाल डॉ सुधीर महादेव बोबडे, महात्मा ज्योतिबाफुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो केपी सिंह तथा विश्वविद्यालय की नैक टीम तथा अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मोदी सरकार ने लोकतंत्र को भीड़तंत्र में बदला : खड़गे

नयी दिल्ली (एजेन्सी)।मणिपुर में दो महिलाओं को नग्न घुमाने की घटना सामने आने के बाद भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी प.. एक और तंज करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को कहा कि केंद्र और भाजपा ने लोकतंत्र और कानून के शासन को भीड़तंत्र में बदल दिया है। एक ट्विटर पोस्ट में खड़गे ने कहा, मणिपुर में मानवता मर गई है। मोदी सरकार और भाजपा ने राज्य के नाजुक सामाजिक ताने–बाने को नष्ट करके लोकतंत्र और कानून के शासन को भीड़तंत्र में बदल दिया है। नरेंद्र मोदी जी, भारत

आपकी चुप्पी को कभी माफ नहीं करेगा। अगर आपकी सरकार में जरा भी विवेक या शर्म बची है, तो आपको संसद में मणिपुर के बारे में बोलना चाहिए और देश को बताना चाहिए कि क्या हुआ, केंद्र और राज्य दोनों में अपनी दोहरी अक्षमता के लिए दूसरों को दोष दिए बिना। आपने अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी छोड़ दी है। संकट की इस घड़ी में, हम मणिपुर के लोगों के साथ खड़े है। कांग्रेस अध्यक्ष की यह टिप्पणी चार मई की घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद आई है, जिसमें मणिपुर में भीड़ द्वारा दो महिलाओं को नग्न अवस्था में घुमाते हुए दिखाया गया है।

सम्पादकीय........

दिल्ली–कोलंबो अहम रिश्त

भारत और श्रीलंका के संबंध सदियों पुराने हैं। श्रीलंका का 3 हजार वर्षों का लिखित इतिहास मौजूद है। हिन्दू प्राचीन कथाओं के अनुसार श्रीलंका को भगवान शिव ने बसाया था। श्रीलंका को भगवान शिव के पांच निवास स्थानों में से एक घर माना जाता है। शिव के पुत्र कार्तिकेय यानि मुरुगन यहां के सबसे लोकप्रिय हिन्दू देवताओं में से एक हैं। मुरुगन की पूजा यहां के न सिर्फ तमिल हिन्दू करते हैं बल्कि बोध, सिंहली और आदिवासी भी करते हैं। श्रीलंका के अलग–अलग स्थानों पर ऐसे कई मंदिर हैं जो हिन्दू और बोधों की साझा संस्कृति को दर्शाते हैं। रामायण दोनों देशों के बीच ऐसा संबंध स्थापित करती है जिसे कभी अलग नहीं किया जा सकता। श्रीलंका भारत का ही हिस्सा रहा है। अंग्रेजों के शासन ने फूट डालो और राज करो की नीति के तहत तमिल और सिंहलियों के बीच साम्प्रदायिक एकता को बिगाडा। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद 4 फरवरी, 1948 को श्रीलंका को पूर्ण स्वतंत्रता मिली। जब श्रीलंका आजाद हुआ तो अंग्रेज सत्ता सिंहलियों के हाथ में देकर चले गए और तमिलों को हाशिये पर धकेल दिया। तब से लेकर दोनों देशों के संबंध में बहुत उतार–चढाव आते रहे लेकिन भारत ने हमेशा हर संकट की घड़ी में श्रीलंका की छोटे भाई की तरह मदद की। दोनों देशों में मतभेद होनें के बावजूद दिल्ली–कोलंबो रिश्ते अहम बने रहे।

भारत ने पडोसी प्रथम की नीति अपनाते हुए हर समय संबंधों को मजबूत बनाने का ही काम किया लेकिन कुछ ताकतों ने दोनों देशों के संबंधों में कडवाहट घोलने का काम किया। भारत और श्रीलंका के मध्य मतभेदों का एक मुख्य कारण श्रीलंकाई तमिलों के अधिकारों का रहा। श्रीलंका में लिट्टे के बनने की कहानी काफी हद तक वैसी ही है जैसे दुनिया के कई और देशों और भारत के कुछ हिस्सों में जमीन, संसाधन और बरांबरी की मांग पर कई सशस्त्र विद्रोह हुए और अभी भी चल रहे हैं। यहां की लड़ाई मुख्य तौर पर सिंहली और श्रीलंकाई तमिलों के बीच रही है। सिंहली यहां की मूल प्रजाति है जो बौद्ध धर्म मानती है। तमिल हिंदू हैं और इनमें भी दो तरह के लोग हैं। एक तो वे जो सदियों से यहां रह रहे हैं और दूसरे, जिन्हें ब्रिटिश साम्राज्य के दौरान 19वीं और 20वीं सदी में चाय, कॉफी और रबर के बागानों आदि में काम करने के लिए दक्षिण भारत से ले जाया गया था। लिट्टे ही भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या का दोषी था। लिट्टे अब नेस्तनाबूद हो चुका है। यद्यपि श्रीलंका को चीन ने अपने कर्जजाल में फंसा कर उसे तबाही के कगार पर ला दिया और उसके बंदरगाह को कब्जा लिया जिसके बाद श्रीलंका के राजनीतिज्ञों को होश आया। जब–जब श्रीलंका पर संकट आया भारत ने अपने पड़ोसी होने के कर्त्तव्य को निभाया। कोरोना महामारी के दौरान भारत ने श्रीलंका को कोरोना वैक्सीन और अन्य जरूरी दवाइयां भेजीं। भारत ने हमेशा ही श्रीलंका में खून–खराबा रोकने में भी कूटनीतिक तौर पर मदद की लेकिन 2022 का आर्थिक संकट श्रीलंका के लिए सबक सरीखा था। जब श्रीलंका दाने–दाने को मोहताज हो गया और वहां की जनता श्रीलंका संसद के बाहर खडी होकर हिंसक रुख अपनाने लगी तो श्रीलंका के शासक देश में फैली अराजकता के बीच भागते नजर आए। तब उन्हें एहसास हुआ कि कर्ज ले–लेकर घी पीने का परिणाम क्या होता है। भारत ने तब अलग–अलग तरीकों से करीब 4 अरब डालर की मदद दी थी। भारत की ओर से दी गई वित्तीय सहायता अन्तर्राष्ट्रीय मुद्राकोष की कुल प्रत्याशित विस्तारित निधि सुविधा से कहीं ज्यादा थी। मोदी सरकार ने बेहद ही मानवीय और संवेदनशील कदम उठाया। 2022 की शुरुआत में श्रीलंका में लोगों को बिजली कटौती और ईंधन जैसी बुनियादी चीजों की कमी का सामना करना पड़ा। महंगाई का स्तर चरम पर पहुंच गया था। मुद्रास्फीति की दर प्रति वर्ष 50 प्रतिशत तक बढ गई थी। वहां बसों, ट्रेनों और चिकित्सा वाहनों जैसी जरूरी सेवाओं के लिए ईंधन की कमी हो गई थी। श्रीलंका के पास और आयात करने के लिए विदेशी मुद्रा का पर्याप्त भंडार नहीं था। ईंधन की कमी के कारण पैट्रोल और डीजल की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि हुई थी। अप्रैल 2022 आते–आते लोगों का गुस्सा राजधानी कोलंबो में विरोध–प्रदर्शन के जरिए निकलना शुरू हो गया और देखते ही देखते ये विरोध प्रदर्शन पूरे देश में फैल गया था। अप्रैल–मई 2022 में श्रीलंका अपने इतिहास में पहली बार विदेशी ऋण पर ब्याज भुगतान करने में विफल रहा था। भारत से मिली सहायता की वजह से श्रीलंका को 6 महीने तक जीवित रहने में मदद मिली। अगर भारत ने श्रीलंका को मदद नहीं दी होती तो उसे एक और रक्तपात का सामना करना पड़ता। आर्थिक संकट के दौरान चीन और किसी अन्य देश ने उसकी मदद नहीं की। इतना ही नहीं भारत श्रीलंका को दिए गए कर्ज के पुनर्गठन के लिए भी तैयार हो गया है। भारत श्रीलंका में पर्यटन गतिविधियों को बढावा देने पर भी सहमत गया है। अब श्रीलंका कुछ सम्भला है। उथल–पुथल के एक साल बाद श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रम सिंघे भारत आ रहे हैं। दोनों देशों के राजनयिक रिश्तों के 75 वर्ष भी पूरे हो रहे हैं। श्रीलंका ने हाल ही में भारत को अपना सच्चा साथी कहकर चीन को बता दिया है कि श्रीलंका के लिए भारत सबसे अहम है। श्रीलंका के राष्ट्रपति की यात्रा से दोनों देशों में कई मुद्दों पर द्विपक्षीय वार्ता होगी जिससे संबंधों को नई दिशा मिलेगी। वैसे भी श्रीलंका को चीन के मकडजाल से मुक्त कराना भारत की बड़ी कूटनीतिक सफलता है।

ममता की रैली से पहले मचा हड़कंप – CM आवास के पास हथियार के साथ युवक गिरफ्तार, कई एजेंसियों के फर्जी ID बरामद

गोरखपुर। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आवास के पास से शुक्रवार दोपहर एक हथियारबंद युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वह कालीघाट स्थित सीएम आवास की गली में घुसते समय पकड़ा गया। युवक पुलिस लिखा स्टीकर लगी कार लेकर घुसने की कोशिश कर रहा था। लेकिन कालीघाट पुलिस ने उसे दबोच लिया। फिलहाल पुलिस इस मामले को लेकर जांच कर रही है।

गली में घुसते समय पकड़ा गया। युवक पुलिस लिखा स्टीकर लगी कार लेकर घुसने की कोशिश कर रहा था। लेकिन कालीघाट पुलिस ने उसे दबोच लिया।

युवक के पास मिले कई फर्जी पहचान पत्र

पुलिस ने बताया कि युवक के पास असलहा और कई पहचान पत्र सहित कई फर्जी आइकार्ड मिले हैं। शुक्रवार दोपहर जब घटना हुई तो ममता अपने घर पर ही थीं पकड़ा जाना बड़ी घटना मानी जाती है।

पुलिस के मुताबिक शख्स के बैग में भुजली और आग्नेयास्त्र मिले हैं। वह मुख्यमंत्री आवास के पास स्थित मिलन संघ नामक क्लब के गेट से होकर अंदर घुसने की कोशिश कर रहा था, उसी समय कालीघाट पुलिस ने उन्हें हरीश चटर्जी स्ट्रीट पर रोक लिया।

युवक के पास थे हथियार

कोलकाता पुलिस आयुक्त विनीत गोयल ने कहा कि रैली वाले दिन ऐसी घटना गंभीरता है। उस व्यक्ति के पास बंदूक मिली है। पूछताछ में वह अलग–अलग बातें बता रहा है। उसने पूछताछ में यह भी कहा है कि वह मुख्यमंत्री से मिलने के लिए जा रहा था, लेकिन अगर वह मुख्यमंत्री से मिलने जा रहा था तो उसके पास हथियार क्यों था? पुलिस सूत्रों के मुताबिक, पुलिस लिखी कार का नंबर ट 06–77 है। यह गाड़ी शेख नूर अमीन नाम एक शख्स के नाम पर रजिस्टर्ड है, लेकिन पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि जिस शख्स को पुलिस ने पकड़ा है वह वही शख्स है या नहीं। फिलहाल पुलिस को पता चला है कि गाड़ी मालिक नूर अमीन पश्चिम मेदिनीपुर के अलीगंज कसाईपाड़ा का रहने वाला है।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आवास के पास से शुक्रवार दोपहर एक हथियारबंद युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वह कालीघाट स्थित सीएम आवास की और वह धर्मतल्ला में पार्टी की 21 जुलाई रैली में शामिल होने के लिए निकलने वाली थीं। इससे पहले संदिग्ध का उनके घर की गली में घुसने की कोशिश में

समश्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे से गौतम अडानी ने की मुलाकात, कई परियोजनाओं पर हुई चर्चा

गोरखपुर (संवाददाता)। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर दो दिवसीय भारत यात्रा पर हैं। अडानी समूह की एक प्रमुख सहायक कंपनी अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) को मार्च 2021 में कोलंबो में वेस्ट कंटेनर टर्मिनल (डब्ल्यूसीटी) के विकास और संचालन के लिए श्रीलंका के अधिकारियों से आशय पत्र (एलओआई) प्राप्त हुआ।

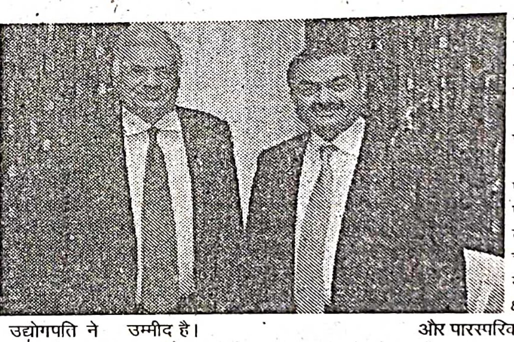

अडानी समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी ने द्वीप राष्ट्र में कई परियोजनाओं पर चर्चा करने के लिए श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के साथ बैठक की। इस दौरान उद्योगपति ने कहा कि चर्चा में कोलंबो पोर्ट वेस्ट कंटेनर टर्मिनल (डब्ल्यूसीटी) का विकास भी शामिल था। गौरतलब है कि विक्रमसिंघे दो दिवसीय भारत दौरे पर हैं।

विविधीकृत अडानी समूह की प्रमुख सहायक कंपनी अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) को मार्च 2021 में कोलंबो में वेस्ट कंटेनर टर्मिनल (डब्ल्यूसीटी) के विकास और संचालन के लिए श्रीलंकाई अधिकारियों से आशय पत्र (एलओआई) प्राप्त हुआ।

कंटेनर हैंडलिंग क्षमता को मिलेगा बढ़ावा

एपीएसईजेड श्रीलंका के सबसे बडे विविधीकृत समूह जॉन कील्स होल्डिंग्स पीएलसी और श्रीलंका पोर्ट्स अथॉरिटी (एसएलपीए) के साथ इस जनादेश से सम्मानित कंसोर्टियम के एक हिस्से के रूप में साझेदारी करेगा। ब्ज को सार्वजनिक–निजी भागीदारी के रूप में 35 वर्षों की अवधि के लिए निर्माण, संचालन और स्थानांतरण के आधार पर विकसित किया जाएगा।

इस परियोजना से डब्ल्यूसीटी की कंटेनर हैंडलिंग क्षमता को बढ़ावा मिलने और सबसे व्यस्त वैश्विक ट्रांसशिपमेंट मार्ग के साथ दुनिया के शीर्ष रणनीतिक नोड्स में से एक के रूप में श्रीलंका के स्थानिक लाभ को और मजबूत करने की उम्मीद है।

कोलंबो पोर्ट भारतीय कंटेनरों के लिए पसंदीदा केंद्र

कोलंबो पोर्ट पहले से ही भारतीय कंटेनरों और मेन लाइन जहाज ऑपरेटरों के ट्रांसशिपमेंट के लिए सबसे पसंदीदा क्षेत्रीय केंद्र है, जिसमें कोलंबो के 45 प्रतिशत ट्रांसशिपमेंट वॉल्यूम या तो भारत में अडानी पोर्ट टर्मिनल से आते हैं या भेजे जाते हैं। इस साझेदारी का नेटवर्क प्रभाव महत्वपूर्ण है और इसके 12 बंदरगाहों पर 7 कंटेनर टर्मिनलों की श्रृंखला से पारस्परिक रूप से लाभान्वित होने की उम्मीद है।

एस जयशंकर ने की मुलाकात

इससे पहले गुरुवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर ने श्रीलंका के राष्ट्रपति से मुलाकात की। विक्रमसिंघे कल नई दिल्ली पहुंचे और केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री (एमओएस) वी मुरलीधरन ने उनका स्वागत किया। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि विक्रमसिंघे की यात्रा से भारत और श्रीलंका के बीच बहुआयामी साझेदारी को और बढ़ावा मिलेगा। गौरतलब है कि कार्यभार संभालने के बाद श्रीलंकाई राष्ट्रपति की यह पहली भारत यात्रा है।

विदेश मंत्रालय ने एक प्रेस रिलीज में कहा कि अपनी यात्रा के दौरान, राष्ट्रपति विक्रमसिंघे अपने भारतीय समकक्ष द्रौपदी मुर्मू से मिलेंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य भारतीय गणमान्य व्यक्तियों के साथ पारस्परिक हित के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

पीएम मोदी के निमंत्रण पर आए श्रीलंका के राष्ट्रपति

पीएम मोदी के निमंत्रण पर विक्रमसिंघे भारत दौरे पर आए हैं। यह यात्रा दोनों देशों के बीच लंबे समय से चली आ रही दोस्ती को मजबूत करेगी और सभी क्षेत्रों में कनेक्टिविटी बढाने और पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग के रास्ते तलाशेगी।

विदेश मंत्रालय ने अपनी प्रेस रिलीज में आगे कहा, श्रीलंका भारत की पड़ोसी प्रथम नीति और विजन सागर में एक महत्वपूर्ण भागीदार है। यह यात्रा दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक मित्रता को मजबूत करेगी और सभी क्षेत्रों में बढ़ी हुई कनेक्टिविटी और पारस्परिक रूप से लाभप्रद सहयोग के रास्ते तलाशेगी।

श्रीलंका के साथ महत्वपूर्ण और बहुआयामी संबंध

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने गुरुवार को कहा कि श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे की भारत यात्रा एक प्रमुख यात्रा है, क्योंकि देश के द्वीप राष्ट्र के साथ महत्वपूर्ण बहुआयामी संबंध हैं। बागची ने कल विदेश मंत्रालय की ब्रीफिंग के दौरान कहा, यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण यात्रा है, श्रीलंका एक पडोसी देश है, जिसके साथ हमारे बहुत महत्वपूर्ण और बहुआयामी संबंध हैं।

गोरखपुर के कलेक्ट्री कचहरी में हुयी 13 अगस्त 2023 को होने वाले अंखिल भारतीय बारी संघ चुनाव के लिए बैठक

गोरखपुर – अखिल भारतीय बारी संघ के राम आशीष बारी कार्यवाहक अध्यक्ष की अध्यक्षता में श्री प्रेम शंकर बारी के कार्यालय कलेक्ट्री कचहरी गोरखपुर मे एक आपसी परिचर्चा हुआ जिसमे लखनऊ से आये श्री मोहन बारी व श्री आनंद बारी कोषाध्यक्ष उत्तर प्रदेश राज्य बारी संघ लखनऊ ने बारी समाज के विकास के लिए चर्चा किया गया, साथ ही दिनांक 13 अगस्त को होने वाली चुनाव के बारे मे चर्चा किया गया व सभी स्वजातिया बन्धुओ से अनुरोध है कि दिनांक 13 अगस्त को अधिक से अधिक संख्या उपस्थित दीनदयाल उपाध्याय कल्याण मंडप विकास नगर सेक्टर 1 लखनऊ उत्तर प्रदेश मे उपस्थित हो कर हम पारदर्शी चुनाव मे भाग ले व अपना वोट डालने के अधिकार के लिए अपने आधार की रंगीन कॉपी एवं मोबाइल नंबर के साथ 9838666111 पर वाट्सएप करें व उक्त कार्यक्रम मे प्रेम शंकर बारी (महामंत्री), जगदीश बारी, कृष्णा कुमार बारी, त्रिलोकी नाथ बारी, रामकृत बारी, प्रदीप सिंह रावत, सतीश कुमार, उदयभान रावत (अधिवक्ता), राधे श्याम रावत (पार्षद), अंजुला रावत (पार्षद) और कई लोग उपस्थित हुये।

नवागत थानाध्यक्ष रामज्ञा सिंह ने चलाया सघन वाहन चेकिंग अभियान

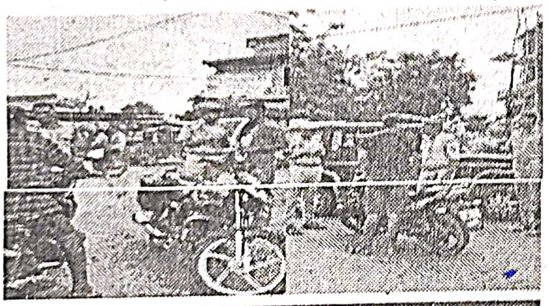

नवागत। थानाध्यक्ष रामज्ञा सिंह ने चलाया सघन वाहन चेकिंग अभियान महराजगंज ६ नौतनवा – अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियन्त्रण बनाये रखने हेतु जिले के तेज तर्रार नवागत थानाध्यक्ष रामज्ञा सिंह ने कस्बे के गांधी चौक और छपवा तिराहे पर दो पहिया वाहनों व संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग की गयी।

चेकिंग के दौरान दो पहिया वाहनों पर तीन सवारी, बिना हेलमेट, बिना अनुज्ञप्ति, संदिग्ध व्यक्तियों और सवारी गाड़ियों में क्षमता से अधिक सवारी बैठाने पर व तेज गति से वाहन चलाने तथा यातायात नियमों के उल्लंघन करने पर नौतनवा थाना के नवागत थानाध्यक्ष रामाज्ञा सिंह द्वारा 23 वाहनों का चालान किया गया।

नवागत थानाध्यक्ष रामाज्ञा सिंह ने चार्ज लेते ही नौतनवा कस्बे के गांधी चौक पर सघन चेकिंग के दौरान 15 वाहनों का चालान किया तथा छपवा तिराहे पर भी सघन चेकिंग के दौरान 8 वाहनों का चालान किया इस दौरान कस्बा प्रभारी ओम प्रकाश गुप्ता, छपवा चौकी प्रभारी संजय कुमार, कांस्टेबल अभय कुमार सिंह सहित अन्य पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

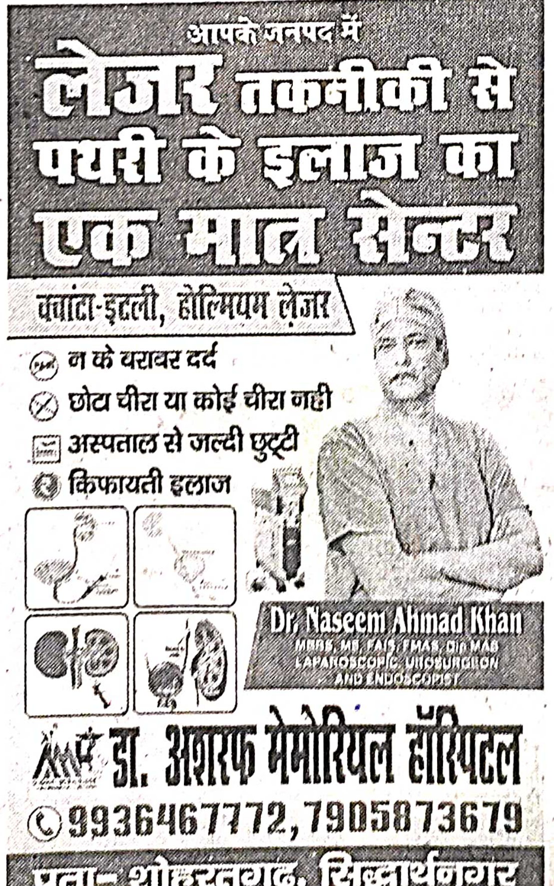

आप के विचार

समाज मे राजनीतिक पार्टियों की वजह से आपसी विवाद ना पैदा करें

आदरणीय बन्धुओं :-

राजनीतिक पार्टियों की वजह से आपसी विवाद ना पैदा करें क्योंकि किसी भी राजनीतिक पार्टी ने अभी तक बारी समाज को कुछ भी नही दिया हर व्यक्ति की आजादी है अपनी बात रखने का

सत्ताधारी पार्टियों ने बारी समाज को क्या दिया इस पर हम सभी को सोचना होगा हम किसी पार्टी का प्रचार प्रसार क्यों करें जिन्होंने हमारे बारी समाज को आज तक पत्राचार्य एवं समाज के द्वारा भेजे गए किसी भी पत्र का जवाब तक न दिया हो क्या हमें उनका सपोर्ट करना चाहिए जबकि भारत का संविधान कहता है सभी समाजों को एक समान अधिकार एक समान लाभ दिया जाए जो जातियां पिछड़ी है तथा आर्थिक स्थिति से कमजोर है यह जिम्मेदारी सरकार की होती है कि वह उन जातियों का उत्थान करें तथा सम्मान के साथ आगे बढ़ाने मे सहयोग करें क्या ऐसा हुआ अब समय आ गया है इस पर निर्णय लेने का और यह निर्णय आपको लेना होगा अपने लिए अपने आने वाली पीढ़ी के लिए अपने समाज के लिए आज अपने समाज के पास ना तो भूमि है ना ही कोई राज्यसभा सदस्य है ना कोई विधानसभा मे सदस्य है जो अपने समाज की बात राज्यसभा और विधानसभा के पटल पर रख सके ऐसे मे समाज का विकास कैसे होगा निर्णय आपको लेना है।

बारी समाज कल्याण धरोहर बचाओ समिति प्रदेश अध्यक्ष
वीर राज किशोर बारी
लखनऊ उत्तर प्रदेश

अपने विचार को हमें Whatsapp पर भेजे।
Mob:- 7233999001

कर्मचारी नेताओं ने सचिवालय संघ अध्यक्ष से की मुलाकात

गोरखपुर (संवाददाता)। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ सहित कई संगठनों के पदाधिकारियों ने उत्तर प्रदेश सचिवालय संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अर्जुन देव भारती का स्वागत करते हुए गुलदस्ता भेंट किया। उत्तर प्रदेश चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी महासंघ के प्रदेश महासचिव और राष्ट्रीय डिप्टी जनरल सेक्रेटरी अखिल भारतीय राज्य सरकारी चतुर्थ श्रेणी महासंघ सुरेश सिंह यादव ने एवं राम गोपाल गौतम राष्ट्रीय जोनल सिक्योरिटी अखिल भारतीय राज्य सरकारी चतुर्थ श्रेणी महासंघ, राम विजय रावत पूर्व निदेशक कोऑपरेटिव लिमिटेड बैंक, योगेंद्र कुमार अध्यक्ष विधान भवन सुरक्षा संघ, रामचंद्र अंबेडकर, राजेश मौर्य, अभिजीत पांडे मौजूद रहे। इस दौरान सचिवाल संघ के अध्यक्ष को सुरेश यादव ने बताया कि प्रदेश में समस्त विभागों में लगभग 4.5 लाख पद चतुर्थ श्रेणी के रिक्त है। पुरानी पेंशन बहाल करने को लेकर पूरे प्रदेश में शांति पूर्वक ज्ञापन के माध्यम से बैठकों के माध्यम से सरकार से आग्रह किया जा रहा है। लेकिन राज्य एवं केंद्र सरकार है इस पर कोई नही ध्यान दे रही। जहां पर भाजपा शासित सरकारें है वहां पर तो कोई सुनवाई नही हो रही। पुरानी पेंशन बहाली को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर आन्दोलन और कर्मचारी शिक्षकों में आक्रोश है। पेंशन को लेकर देश में दोहरा कानून चलाया जा रहा है।

सांसद एवं विधायक राज्यसभा के सदस्य पुरानी पेंशन प्राप्त कर रहे है वहीं पर 60 वर्ष की सेवा पूर्ण करने के बाद बुढ़ापे के सहारे का कर्मचारियों का हक छीना जा रहा है। यह इन लोकतांत्रिक अधिकार का हनन है। इसी मौके पर राम गोपाल राष्ट्रीय जोनल सिक्योरिटी अखिल भारतीय राज्य सरकारी महासंघ ने कहा कि पूरे भारतवर्ष मे चतुर्थ श्रेणी के लगभग नौ लाख पद स्वीकृत है। 60 प्रतिशत सेवानिवृत्त हो गए है। लेकिन कोई भर्ती नही हो रही। पूरे भारतवर्ष मे समस्त विभागों मे स्वीकृत पदों के सापेक्ष भर्ती की जाए तो बेरोजगारी दूर हो जाए। युवाओं को स्थाई रोजगार मिलेगा। लेकिन सरकार का उस तरफ कोई ध्यान नही है जिसको लेकर राष्ट्रीय स्तर पर, कर्मचारियों एक बैठक 3 अगस्त को आगरा प्रदेश मे होने जा रही है। सचिवालय संघ के अध्यक्ष अर्जुन देव भारतीय प्रदेश के कर्मचारियों एवं सचिवालय संघ की समस्याओं को साथ मिलकर निराकरण करने के लिए हर संभव सहयोग करने का आश्वासन दिया।

Heavy rain batters parts of Gujarat; IMD issues red alert for next 2 days

Gujarat rains: Heavy showers have battered the parts of the state causing floods in low-

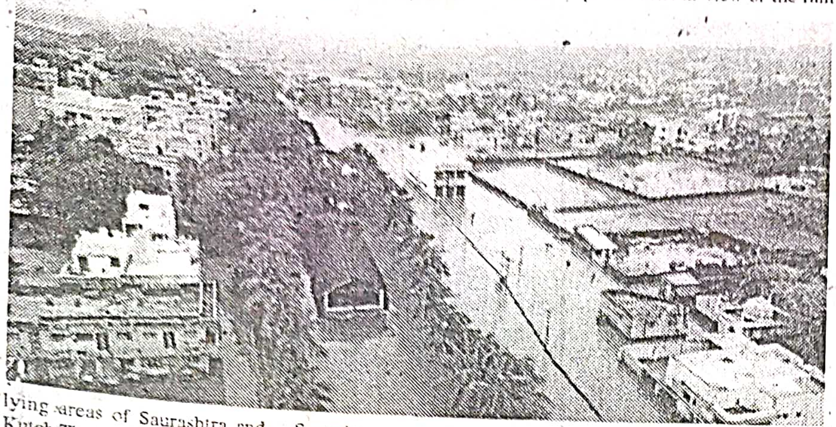

lying areas of Saurashtra and Kutch The India Meteorological Department (IMD) on Friday issued a 'red' alert for Gujarat for Saturday and Sunday while noting that the state is likely to get "heavy to very heavy rainfall (more than 204.4 mm)" on these days. Earlier this week, three people were killed and around 300 were rescued as the rain continued to pound parts of Saurashtra on Wednesday. Two deaths in rain-related incidents were reported from Surendranagar district while one similar death was reported from Rajkot district. Most of Veraval town was flooded following heavy rain, which began on Tuesday afternoon and continued till late Wednesday. The NDRF rescued 270 people trapped in floodwaters while the GirSomnath police rescued 30 near Somnath bypass, National Disaster Response Force (NDRF) and State Disaster Response Forces (SDRF) teams have been put on alert in view of the rain situation. Out of Gujarat's 206 reservoirs, 43 have been placed on high alert due to heavy inflow of water. 18 reservoirs are on alert mode, and warnings have been issued for another 19, said the state government. The weather body has also issued a fresh weather warning for the states such as Maharashtra, Odisha, flood-wrecked Himachal Pradesh in the days ahead.

Is Ariana Grande already over Dalton Gomez? Rumours of dating Wicked co-star Ethan Slater swirl among fans

Fans are speculating romance between Ariana Grande and co-star Ethan Slater amidst Ariana's recent separation from Dalton Gomez

Ariana Grande, the pop sensation known for her powerful vocals and chart-topping hits, has

been making headlines lately for her romantic rollercoaster. Amidst the drama, rumors are swirling about Ariana's newfound romance with her Wicked co-star, Ethan Slater. The 31-year-old actor and singer has reportedly started dating the songstress after her separation from Dalton. The pair apparently connected during the production of their musical film, and fans are eager to see how this new chapter unfolds. After announcing her separation from husband Dalton Gomez, the starlet seems to be throwing some major shade on social media too.

As news of Ariana's split with Dalton Gomez broke, fans noticed a series of cryptic Instagram likes from the singer. The posts she interacted with seemed to hint at emotional struggles, setting boundaries, healing from trauma, and dealing with difficult relationships. While it's unclear why she engaged with these particular posts, many fans suspect she could be expressing her emotions and seeking comfort through social media.

Moving On with Co-Star Ethan Slater

Ethan Slater's career has been on the rise since he first landed a recurring role in the TV show Redheads Anonymous in 2015. He went on to make appearances in hit series like Law & Order: SVU and The Marvelous Mrs. Maisel. But it was his breakout role as SpongebobSquarepants in The Spongebob Musical: Live on Stage! that earned him a Tony Award nomination. Now, he's set to star as Boq in the film adaptation of Broadway's Wicked alongside Ariana Grande, Jonathan Bailey, and Michelle Yeoh

Bengaluru university authorities slammed after 19-year-old BTech student's suicide

Aditya Prabhu, 19, a Bengaluru student, died by suicide on Monday. Days later, social media posts alleged harassment by the college authorities.

The deceased's father reportedly filed a police complaint, alleging that the college authorities were responsible for his son's death.

The father of a 19-year-old student accused authorities of a well-known university in Bengaluru of abetment to suicide of his son. Aditya Prabhu, a BTech student at a university in Bengaluru, died by suicide on Monday after jumping off the 8th floor of a building on the college' campus, several reports claimed. Aditya was accused of cheating in an examination. The deceased's father, Ganesh Prabhu, reportedly filed a police complaint, alleging that the college authorities were responsible for his son's death. Days after the tragic incident, social media posts accused the

college administration, including the student's mentor and other senior officials, of harassment. "I am Aditya Prabhu's mother. He was a student (19 years old) of PES college, RR road campus, CSE 1st year student. On July 17th Aditya jumped from 8th floor of a building in the campus and committed suicide. The college announced to the media that Aditya was caught cheating and copying during examination. He was detained. He was counselled and when he was told that parents would be informed, he jumped from the building. I want to tell our side of story here," a user posted on Instagram.

"I got a call from Aditya at 11:45 am July 17th. He told me that he forgot to put the phone back in his bag and the phone remained in his pant pocket... Aditya also told that they are harassing him, they told him it's better to die than do such things and asked me to come to college," the user added.

The post further read that the deceased's mother was "pressured" to sign a statement, which the user said "was probably something that would wash off their hands from the matter".

'Neutral administration..': Congress' Chidambaram urges President rule in Manipur

Congress leader, Chidambaram has said that in order to enable the communities to stop the violence and talk to each other, there must be a neutral administration

Former union home minister and Congress leader P Chidambaram on Friday lashed out at BJP coalition-led Manipur

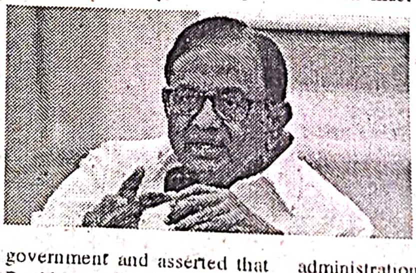

government and asserted that President's rule is desirable in the state and urged for a neutral administration for enabling Meiteis and Kukis communities to stop the violence.

In a tweet, the Congress leader said, "In Manipur, the Meiteis, the Kukis and the Nagas have to live together under whatever legal arrangements are accepted by all. Each ethnic group has grievances against another group. Irrespective of who is right or wrong, eventually the three groups must talk to each order and arrive at a social and political compact."

Chidambaram also asserted that due to the violence, all sides have lost precious lives and all sides have suffered, so all sections must stop the blame game and resolve to stop the violence.

"In order to enable Meiteis and Kukis to stop the violence and talk to each other, there must be a neutral administration. That is why I have pleaded that a spell of President's rule is desirable," he further said.

Tensions escalated in the state after a video surfaced on Wednesday showing two Kuki women being paraded naked by a group of men from the other side. Four people have been arrested in connection with the incident, official sources in Imphal said on Thursday.

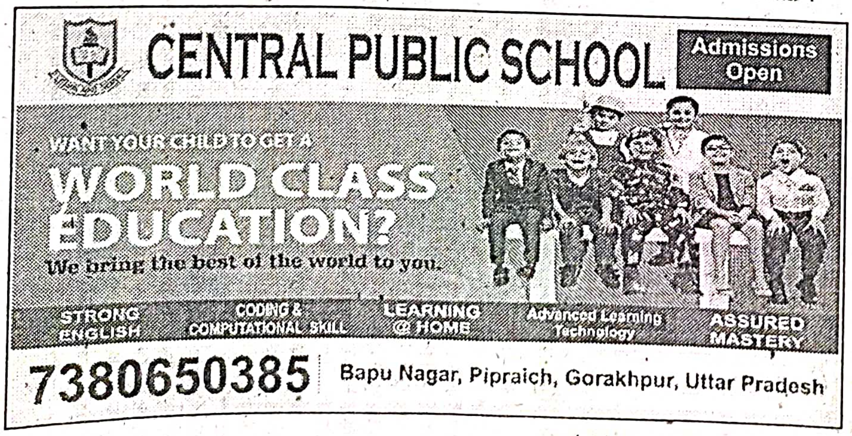

5 Title India poised to be one of largest providers of skilled workers globally: Modi

Prime Minister NarendraModi virtually addressed the 4th employment working group meeting of G20 labour and employment ministers in

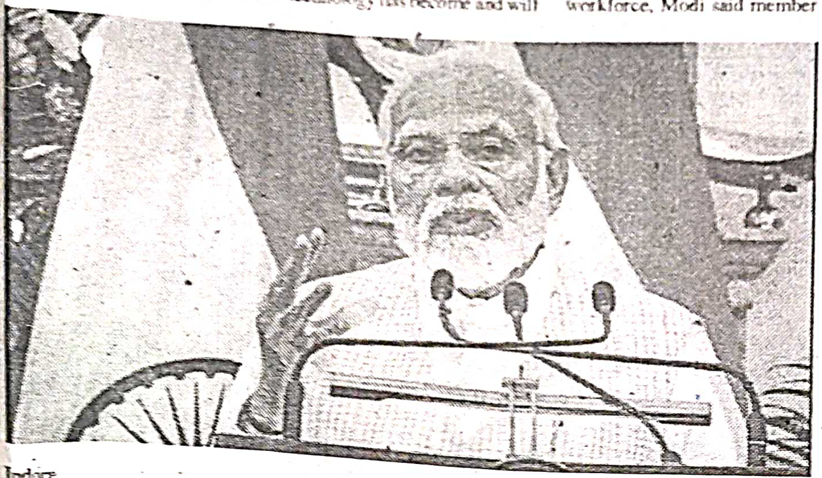

Indore

Prime Minister NarendraModi on Friday said India is poised to be one of the largest providers of skilled workers globally while calling for rapid universalization of social-security benefits for them.

Modi said skilling, re-skilling, and up-skilling were the "mantras" for the future workforce. "In this era of the fourth industrial revolution, technology has become and will remain the key driver of employment," he said in his inaugural virtual address to the 4th employment working group meeting of G20 labour and employment ministers in Indore.

A ministerial declaration will be finalised at the meeting along with outcome documents, which will be adopted by G20 members nations.

Drawing attention to the universal welfare of skilled workforce, Modi said member states must consider each country's "unique economic capacities, strengths, and challenges". "Adopting a one-size-fits-all approach is not suitable for sustainable financing of social protection," he said.

He said globalising the referencing of occupations by skills and qualifications will enable greater mobility and enhance employment opportunities, especially for countries with a large skilled workforce. Modi added these steps would boost productivity in the global economy.

"This requires new models of international cooperation and coordination, and migration and mobility partnerships." He also called for the sharing of statistics, information, and data regarding employers.

As many as 165 delegates including 24 ministers, heads of international organisations, and employers' associations, the World Bank, etc are attending the G20 labour conference.

At the conference, India held a presentation of e-Shram, the largest portal and database of workers in the world. The portal is designed to integrate workers' benefits, insurance, and all data on a single platfrom. Modi said the gig and platform economy emerged as the pillar of resilience during the Covid pandemic and therefore needs special impetus. "The gig economy offers immense potential of generating gainful employment, especially for the youth while also becoming a transformative tool for socio economic empowerment of women."

Gravity of charges not only factor in deciding bail: Court in BrijBhushan case

The Delhi court on Thursday granted bail to former Wrestling Federation of India (WFI) chief BrijBhushanSharan Singh and his aide VinodTomar

The seriousness of allegations is not the only factor

in deciding bail and the Constitution's Article 21 (protection of life and personal liberty) is violated when undertrial prisoners are kept in jail for an indefinite period, a Delhi court said in its order granting bail to former Wrestling Federation of India (WFI) chief BrijBhushanSharan Singh and his aide VinodTomar.

The court called the allegations of sexual harassment that six wrestlers have levelled against the two serious. "The seriousness of the allegations, no doubt, is one of the relevant considerations while considering bail applications but it is not the only test or the factor to decide the same," said additional chief metropolitan magistrate Harjeet Singh Jaspal in the order, the detailed copy of which was released on Friday.

The court said the law of the land can neither be pulled in the favour of the victims nor can it tilt in that of the accused.

Singh, a six-time ruling BharatiyaJanata Party Member of Parliament, and Tomar were granted bail on Thursday on a personal bond of ' 25,000 each as the Delhi Police neither opposed nor supported it.

The court earlier on Tuesday granted Singh and Tomar two-day interim bail citing the Supreme Court's verdict in the Satendra Kumar Antil case. The top court observed in that case that bail has to be decided without the arrest of an accused or granting interim bail until regular bail is decided in matters related to offences punishable with imprisonment of seven years or less. It will also be applicable to matters in which charge sheets are filed without the arrest or the accused has cooperated in the probe.

In his detailed order, Jaspal recorded the additional public prosecutor's submission that sufficient conditions should be imposed on Singh and Tomar so that they do not directly or indirectly approach the complainants to influence them.

The court took note of the submission of the lawyer for the complainants opposing the bail citing Singh's position as an influential person.

It considered the submissions of advocate Rajiv Mohan, who appeared for Singh and Tomar, pleading for bail as the charge sheet against his clients was filed without arrest. Mohan expressed the willingness of his clients to abide by all the conditions and said that they will not be a threat to anyone. He added his clients would appear before the court whenever called.

The Delhi Police registered the case against Singh and Tomar on April 28 after the Supreme Court's intervention and filed the 1599-page charge sheet on June 15. The trial court on July 7 took cognisance of the charge sheet.

Singh has been charged under Indian Penal Code (IPC)'s sections 354 (assault or criminal force with intent to outrage modesty), 354A (sexual harassment), and 354D (stalking). Charges have been framed against Tomar under IPC sections 354, 354A, 109 (abetment), and 506 (criminal intimidation).

Singh is facing another case involving a minor, who changed her statement before a magistrate. On June 15, police filed a 552-page cancellation report in the second case. A Protection of Children against Sexual Offences Act court has sought a response from the minor and her family on whether they have any objections to the report. This case has been listed for hearing on August 1.

नंबर 3 पर एक बार फिर नहीं बोला Shubman Gill का बल्ला, विकेटकीपर के हाथों कैच आउट होने पर रह गए दंग

3 भारत बनाम वेस्टइंडीज आईसीसी विश्व टेस्ट चौंपियनशिप सीरीज ''ड 2023–25 के दूसरे मैच में शुभमन गिल ने केमार रोच की एक गेंद को विकेटकीपर जोशुआ दा सिल्वा के पास पहुंचा दिया। गिल अपनी नई बल्लेबाजी स्थिति नबर–3 में एक बार फिर बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रहे।

नंबर तीन पर नाकामयाब रहे गिल–

इस सीरीज में भारत के लिए सलामी बल्लेबाज के रूप में यशस्वी जायसवाल तेंअपश्रर्पूस के डेब्यू के साथ कप्तान रोहित शर्मा त्वीपजतिउं और कोच राहुल द्रविड तेनस क्तअपक ने नंबर तीन का स्थान शुभमन गिल को दिया है। पिछली टेस्ट पारी में सलामी बल्लेबाज के तौर पर अच्छा प्रदर्शन करने वाले शुभमन तीसरे नंबर पर कुछ खास प्रभाव नही छोड पाए है।

10 रन पर पवेलियन लौटे गिल–

पिछले हफ्ते विडसर पार्क में 11 गेंदों पर छह रन बनाने के बाद गिल त्रिनिदाद टेस्ट मैच की पहली पारी में 12 गेंदों पर 10 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। आज अपनी पारी की 12वी गेद पर शुभमन गिल निइउंद ळपसास ने केमार रोच की गेंद को ऑफ साइड पर मारने की कोशिश।

गिल ऐसे हुए आउट–

ऐसे मे गेंद को बल्ले का बाहरी किनारा लगा और सीधा विकेटकीपर के हाथों मे समा गई जोशुआ दा सिल्वा ने कैच लेने मे कोई गलती नही की और गिल को ड्रेसिंग रूम मे वापस जाना पड़ा। गिल पूरी तरह से निश्चित नही थे कि उन्हो गेंद को बल्ले का किनारा लगा है या नही। इसलिए वह बातचीत के लिए नॉन–स्ट्राइकर रोहित शर्मा के पास गए।

गिल के पास अच्छा टेस्ट रिकॉर्ड–

कप्तान से चर्चा के बाद गिल और रोहित रिव्यू नहीं लेने पर सहमत हुए और गिल वापस पवेलियन लौट गए हालांकि गिल का टेस्ट क्रिकेट निइउंद ळपसस जमेज तमबवतक मे काफी अच्छा रिकॉर्ड है, लेकिन उनका हालिया प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। इंग्लैंड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में गिल अपनी किसी भी पारी में 20 रन का आंकड़ा पार नहीं कर सके।

500 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले चौथे भारतीय, ऐसा करने वाले बने दुनिया के 10वें क्रिकेटर

धोनी की कप्तानी मे अगस्त 2008 मे दांबुला मे श्रीलंका के विरुद्ध वनडे से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू करने वाले विराट ने काफी लंबा रास्ता तय किया है। विराट ने 111 टेस्ट 274 वनडे और 115 टी–20 मैच खेले है।

2. 652, महेला जयवर्धने (श्रीलंका)

3. 594, कुमार संगकारा (श्रीलंका)

4. 586, सनथ जयसूर्या (श्रीलंका)

वनडे इतिहास में वह सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में पांचवें नंबर पर हैं। वनडे में विराट के नाम 274 मैचों में 12898 रन हैं 46 शतक शामिल हैं।

वेस्टइंडीज के विरुद्ध दूसरा टेस्ट मैच खेलने के साथ ही विराट कोहली के नाम एक और उपलब्धि दर्ज हो गई। भारत और वेस्टइंडीज के बीच पोर्ट आफ स्पेन में खेला जा रहा 100वां टेस्ट मैच कोहली का 500वां अंतरराष्ट्रीय मैच है। वह 500 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले भारत के चौथे खिलाड़ी हैं। उनसे पहले सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और महेंद्र सिंह धोनी के नाम ये उपलब्धि ा दर्ज है।

धोनी की कप्तानी में अगस्त 2008 में दांबुला में श्रीलंका के विरुद्ध वनडे से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू करने वाले विराट ने काफी लंबा रास्ता तय किया है। विराट ने 111 टेस्ट, 274 वनडे और 115 टी–20 मैच खेले हैं। वनडे इतिहास में वह सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में पांचवें नंबर पर हैं। वनडे में विराट के नाम 274 मैचों में 12898 रन हैं, जिसमें 46 शतक शामिल हैं।

500 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले खिलाड़ी

1. 664, सचिन तेंदुलकर (भारत)

5. 560, रिकी पोंटिंग (आस्ट्रेलिया)

6. 538, महेंद्र सिंह धोनी (भारत)

7. 524, शाहिद अफरीदी (पाकिस्तान)

8. 519, जैक कैलिस (द. अफ्रीका)

9. 509, राहुल द्रविड़ (भारत)

10. 500, विराट कोहली (भारत)

किसने कब खेला 500वां मैच

सचिन तेंदुलकर, 15 अक्टूबर 2006
महेला जयवर्धने, छह अगस्त, 2011
कुमार संगकारा, 28 मार्च, 2013
सनथ जयसूर्या, 18 मई, 2007
रिकी पोंटिंग, 3 मार्च 2010
महेंद्र सिंह धोनी, 6 जुलाई 2018
शाहिद अफरीदी, 7 मार्च 2015
जैक कैलिस, 30 सितंबर 2012
राहुल द्रविड, 9 सितंबर 2011
विराट कोहली, 20 जुलाई 2023

वह एकमात्र खिलाड़ी है जिनके नाम टी–20 अंतरराष्ट्रीय मे चार हजार से ज्यादा रन हैं। टेस्ट में विराट के नाम 111 मैचों मे 8555 रन है। 2011 मे जब भारतीय टीम ने अंतिम बार वेस्टइंडीज का दौरा किया था तो राहुल द्रविड और कोहली उस टीम का हिस्सा थे। मौजूदा टीम मे विराट ही एकमात्र ऐसे खिलाड़ी है जो उस दौरे के लिए भारतीय टीम मे शामिल थे।

बुलंदियों पर HDFC Bank, TCS को पछाड़ बनी भारत की दूसरी सबसे मूल्यवान कंपनी

गोरखपुर (संवाददाता)। देश का दूसरा सबसे बड़ा बैंक एचडीएफसी अब बाजार पूंजीकरण के हिसाब से दूसरी सबसे बड़ी कंपनी है। एचडीएफसी और एचडीएफसी बैंक का विलय 1 जुलाई को हुआ था जो कॉर्पोरेट इतिहास की सबसे बड़ी डील थी। एचडीएफसी बैंक ने आज टीसीएस को पछाड़ कर अपने नाम यह उपलब्धि हासिल की है। जानिए कौन है भारत की टॉप 5 कंपनियां।

चडीएफसी बैंक ने आज एक और उपलब्धि हासिल की है। देश का दूसरा सबसे बड़ा बैंक एचडीएफसी अब मार्केट कैपिटलाइजेशन के लिहाज से भी दूसरी सबसे बड़ी कंपनी बन गई है। एचडीएफसी और एचडीएफसी बैंक का मर्जर 1 जुलाई को हुआ था।

एचडीएफसी बैंक ने आज आईटी दिग्गज टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को पछाड़कर बाजार पूंजीकरण के हिसाब से दूसरी सबसे मूल्यवान कंपनी बन गई है।

टीसीएस से कितना करोड़ अधिक है एचडीएफसी बैंक का एमकैप?

आज कारोबारी समय के खत्म होने के बाद एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 12,72,718.60 करोड़ रुपये था, जो टीसीएस के 12,66,891.65 रुपये से 5,826.95 करोड़ रुपये अधिक था।

आज कैसा रहा दोनों कंपनियों का शेयर?

बीएसई पर आज एचडीएफसी बैंक के शेयर 0.22 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,688.50 रुपये पर बंद हुए। दिन के दौरान यह 0.36 फीसदी चढ़कर 1,690.95 रुपये पर पहुंच गया था।

हालांकि, टीसीएस के शेयर 0.25 प्रतिशत गिरकर 3,462.35 रुपये पर बंद हुए। दिन के दौरान यह 1 फीसदी गिरकर 3,436 रुपये पर आ गया था।

कॉर्पोरेट इतिहास की सबसे बड़ी डील

1 जुलाई को एचडीएफसी और एचडीएफसी बैंक का मर्जर 40 बिलियन अमेरिकी डॉलर में हुआ था जो भारतीय कॉर्पोरेट इतिहास में इस तरह का सबसे बड़ा सौदा था।

कौन है नंबर वन कंपनी?

- रिलायंस इंडस्ट्रीज 17,72,455.70 करोड़ रुपये के बाजार मूल्यांकन के साथ देश की सबसे मूल्यवान कंपनी है, इसके बाद दूसरे नंबर पर एचडीएफसी बैंक, तीसरे नंबर पर टीसीएस, चौथे पर आईसीआईसीआई बैंक (6,96,538.85 करोड रुपये) और पांचवे पर हिंदुस्तान यूनिलीवर (6,34,941,79 करोड़ रुपये) है।

बैंकों में सबसे मूल्यवान बैंक है एचडीएफसी बैंक

एमकैप के हिसाब से एचडीएफसी बैंक देश का सबसे मूल्यवान बैंक है, इसके बाद आईसीआईसीआई बैंक है, जिसका बाजार मूल्यांकन 6,96,538.85 करोड़ रुपये है, और तीसरे नंबर पर भारतीय स्टेट बैंक (5,44,356.70 करोड रुपये) है।

मणिपुर की घटना से स्तब्ध हूं, मिजोरम के मुख्यमंत्री बोले, हालात बिगड़ गए हैं, चुप्पी कोई विकल्प नहीं

आईजोल। मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर उनकी परेड कराने का वीडियो सामने आने के एक दिन बाद

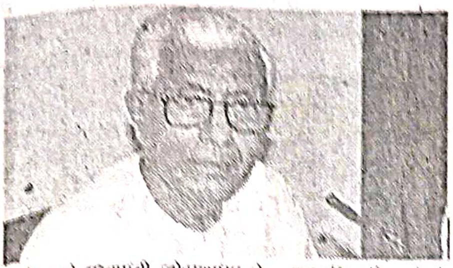

मिजोरम के मुख्यमंत्री जोरमथांगा ने बृहस्पतिवार को कहा कि ऐसा लगता है कि पड़ोसी राज्य में स्थिति "बिगड़ गई है और उन्होंने मामले में फौरन कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा, "चुप्पी कोई विकल्प नहीं है। जोरमथांगा ने एक बयान में कहा कि वह सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो को देखकर स्तब्ध है और इसने उन्हे झकझोर दिया है। उन्होंने ट्वीट किया, "मणिपुर में क्रूर हिंसा न केवल पड़ोसी राज्य पर बल्कि पूरे देश पर असर डालती है। ऐसा लगता है कि हालात बिगड़ गए हैं। मैं वाकई में वीडियो देखकर स्तब्ध हूं तथा भीतर तक हिल गया हूं। मिजोरम के मुख्यमंत्री ने कहा कि मणिपुर में दो बेबस महिलाओं के यौन उत्पीड़न की, हैरान करने वाली वीडियो "क्रूर, निर्दयी, जघन्य, निर्लज्ज और पूरी तरह अमानवीय है। उन्होंने कहा कि पूरे क्षेत्र को मणिपुर की "बड़ी समस्या के लिए एक स्थायी समाधान की आवश्यकता है जिसे केवल केंद्र सरकार ही हल कर सकती है। जोरमथांगा ने कहा, "मैं फिर कहता हूं – कई लोगों की जान चली गई, हर जगह खूनखराबा, शारीरिक यातना है और पीड़ित शरण लेने के लिए इधर उधर भाग रहे हैं। इस बात में कोई शक नहीं है कि वे पीड़ित मेरे मित्र और मेरे परिजन, मेरा अपना खून है और क्या केवल हमारे चुप रहकर बैठने से स्थिति शांत हो जाएगी? मुझे नहीं लगता। उन्होंने कहा, "चुप्पी कोई विकल्प नहीं है।

"मैं फौरन शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने का आह्वान करता हूं। मणिपुर सरकार और केंद्र सरकार के लिए यह अनिवार्य है कि वह फौरन शांति बहाल करने के तरीके तलाश करें अतः मैं मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी से तत्काल कार्रवाई करने तथा दोषियों को सजा दिलाने का अनुरोध करता हूं। चार मई का यह वीडियो बुधवार को सामने आने के बाद से मणिपुर के पहाड़ी क्षेत्र में तनाव व्याप्त हो गया है। इस वीडियो में दिख रहा है कि विरोधी पक्ष के कुछ व्यक्ति एक समुदाय की दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमा रहे है।

रायगढ़ पहाड़ी पर भूस्खलन से चार की मौत, कई लोग फंस

रायगढ़ (एजेन्सी)। महाराष्ट्र के रायगढ़ के इरशालवाड़ी में एक पहाड़ी का एक हिस्सा गांव पर गिर गया, इससे कम से कम चार आदिवासियों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य फंस गए। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। रायगढ़ के संरक्षक मंत्री उदय सामंत ने कहा कि अब तक कम से कम चार लोगों की मौत हो गई है, जबकि 25 को बचा लिया गया है। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, गांव में लगभग 30 परिवार रहते है, लेकिन हताहतों, मौतों या अभी भी फंसे हुए लोगों की सटीक संख्या ज्ञात नहीं है। रायगढ़ जिला प्रशासन, पुलिस, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें घटनास्थल पर पहुंच गई है और बड़े पैमाने पर बचाव अभियान शुरू कर दिया है, जबकि क्षेत्र में पिछले तीन दिनों से भारी बारिश हो रही है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आज सुबह स्थिति की समीक्षा की। सामंत ने कहा, घटना बुधवार रात करीब साढ़े बजे हुई और तब से राहत एवं बचाव कार्य जारी है। नवी मुंबई नगर निगम और पनवेल नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। यह छोटा सा गांव मुंबई से लगभग 100 किलोमीटर दूर माथेरान के वाहन–मुक्त हिल–स्टेशन से दूर, इरशालगढ किले के पास स्थित है। सिरसा स्थित डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह को एक बार फिर जेल से 30 दिन की पैरोल मिल गयी है। अब वह 15 अगस्त को यूपी स्थित बरनावा आश्रम में अपना जन्मदिन मना सकता है, जबकि सिरसा डेरे पर जाने की रोक रहेगी।

राम रहीम को इस साल जनवरी में भी 40 दिन की पैरोल मिली थी और वह बरनावा आश्रम में ही रहा था। साध्वी यौन शोषण मामले में 20 साल की सजा काट रहे राम रहीम को सातवीं बार पैरोल मिलने के बाद सुनारियां जेल के बाहर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

मुख्यमंत्रीं बिजनौर में करेंगे वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ

लखनऊ (संवाददाता)। प्रधानमंत्रीनरेन्द्र मोदी देश दुनिया मे हर जगह आगाह करते है, ग्लोबल वार्मिंग,क्लाईमेट चेंज हो रहा है, जिसकी वजह से वायुमण्डल में कार्बन डाई ऑक्साइड का ज्यादा उत्सर्जन हो रहा है, इसी को ध्यान में रखते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में 35 करोड़ पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा है। प्रदेश में बढ़ते प्रदूषण को नियंत्रित करने तथा पर्यावरण एवं पारिस्थितिकीय संतुलन बनाये रखने हेतु व्यापक जन आन्दोलन के माध्यम से वृक्षारोपण कर हरित आवरण में वृद्धि करने के लिए प्रदेश सरकार कटिबद्ध है। 2023–24 के वर्षाकाल में प्रदेश के 85 शासकीय विभागों तथा जन सामान्य के सहयोग से वन भूमि, सामुदायिक भूमि व अन्य राजकीय भूमि, कृषि एवं अन्य निजी भूमि पर वृहद स्तर पर रोपण कराया जा रहा है। इससे प्रदेश की हरित आवरण में वृद्धि, पर्याप्त वर्षा जल संचयन कार्बन अवशोषण, शुद्ध हवा, उपजाऊ मिट्टी व स्वच्छ जल की प्राप्ति एवं प्रदेश के कृषकों की आय में वृद्धि होगी। इस अभियान में पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ, हर खेत पर मेड़ हर मेड़ पर पेड़, पेड़ रहेगा तो जीवन रहेगा आदि स्लोगन के माध्यम से जन मानस को जोड़ा जा रहा है। वृक्षारोपण अभियान 2023 में प्रदेश का पौधारोपण लक्ष्य 35 करोड़ है। विभागों, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा

जन प्रतिनिधियों के सहयोग से वृहद स्तर पर वृक्षारोपण अभियान के अन्तर्गत 22 जुलाई को एक ही दिन 30 करोड़ पौधों का रोपण होगा। 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर 5 करोड़ पौधों का रोपण होगा। वन विभाग की 1901 नर्सरियों से निःशुल्क पौध उपलब्ध होगी। मुख्य प्रजातियां नीम, सहजन, आंवला, इमली, अर्जुन, जामुन, बेल, देशी आम, महुआ, सागौन, शीशम, गुटेल, बांस, पीपल, पाकड़, बरगद आदि है। ग्राफ्टेड पौध 6.44 लाख आम, अमरूद, नीबू आदि, मालाबार 3.48 लाख है। वृक्षारोपण अभियान के पूर्व वन महोत्सव सप्ताह में व्यापक प्रचार–प्रसार 01 से 07 जुलाई तक वन महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें प्रभात फेरी, नुक्कड़ नाटक, चित्रकला प्रतियोगिता, निबन्ध लेखन, वाद–विवाद प्रतियोगिता एवं संगोष्ठी आदि के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, वृक्षावरण व वृक्षारोपण के महत्व, जल संरक्षण, स्वच्छता, प्लास्टिक के उपयोग को खत्म करना एवं ग्रामीणों द्वारा खाद कैम्पोस्ट का उपयोग आदि विषयों पर व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाया गया। जनपद स्तर पर जिला वृक्षारोपण समिति की नियमित बैठक मण्डल स्तर पर मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में वृक्षारोपण तैयारी की समीक्षा की जा रही है। वन मंत्री ने बताया कि वन मुख्यालय स्तर से प्रत्येक सप्ताह विभागीय वनाधिकारियों के साथ वीडियो कान्फ्रेंसिंग की गई जिसमें मंत्री, अपर मुख्य सचिव, वन, प्रधान मुख्य वन संरक्षक और विभागाध्यक्ष एवं मिशन निदेशक, वृक्षारोपण अभियान–2023 द्वारा समीक्षा कर मार्ग दर्शन दिया गया विभागों के मंत्री तथा मेरे द्वारा संयुक्त रूप से विभागों के शीर्ष अधिकारियों के साथ 19 व 20 जून को बैठक की गयी, जिसमें वृक्षारोपण से सम्बन्धित समस्त विभाग तथा पीएसयू संस्थाएं बैंको द्वारा प्रतिभाग किया गया। मुख्य मंत्री की अध्यक्षता में 11 जुलाई को मंत्रिमण्डल की विशेष बैठक में वन महोत्सव के सफल आयोजन पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री द्वारा 12 जुलाई को जनप्रतिनिधि, सांसद, विधायक, महापौर, पार्षद, नगर पालिका परिषद, नगर पंचायत अध्यक्ष, ब्लाक प्रमुख, ग्राम प्रधान तथा पंचायत सदस्यों के साथ संवाद किया गया। 13 जुलाई को मुख्य मंत्री द्वारा प्रदेश वासियों से वृक्षारोपण जन आन्दोलन में सक्रिय भागीदारी करने की अपील की गई। 19 जुलाई को मुख्य सचिव, द्वारा मण्डलायुक्तों जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कान्फ्रेंसिंग कर वृक्षारोपण अभियान के सफल संचालन हेतु निर्देश दिया गया। 19 जुलाई को मेरे द्वारा विभाग के अधिकारियों को कार्यक्रम के क्रियान्वयन हेतु निर्देश दिया गया तथा विभिन्न जनप्रतिनिधियों से संवाद किया गया। 22जुलाई को मुख्यमंत्री बिजनौर एवं मुजफ्फरनगर में वृक्षारोपण कार्यक्रम मे सम्मिलित होकर वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ करेंगे। बिजनौर में विदुर कुटी एवं मुजफ्फरनगर में शुक्र तीर्थ में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। स्वतंत्र देव सिंह मंत्री तथा मेरे द्वारा स्वयं भी उपरोक्त कार्यक्रम में प्रतिभाग किया जायेगा। प्रदेश के मंत्री नामित जनपद में प्रवास कर वृक्षारोपण में सम्मिलित होकर कार्यक्रम हेतु मार्गदर्शन देंगे। शासन द्वारा अपर मुख्य सचिव प्रमुख सचिव सचिव स्तर के अधिकारियों को 20जुलाई तक आवंटित जनपद में पहुँच कर वृक्षारोपण महाअभियान का सफलतापूर्वक संचालन कराने के निर्देश दिये गये है। वृक्षारोपण कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, समस्त सरकारी गैर सरकारी संस्थाए, न्यायाधीश, सिविल सोसाइटी, शिक्षण संस्थाए, एनसीसी, एनएसएस, रोटरी लायन्स क्लब लोक भारती आदि द्वारा सक्रिय सहयोग किया जा रहा है। कार्यक्रम में विभाग, सार्वजनिक उद्यम, निगम बोर्ड आदि के प्रत्येक कर्मचारी एवं अधिकारी द्वारा कम से कम 01 पौध का रोपण कर उसकी सुरक्षा का संकल्प लिया जायेगा।

वृक्षारोपण कार्यक्रम में निर्वाचन की तरह इलेक्शन मोड में जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है जिनके द्वारा अपने क्षेत्र में वृक्षारोपण कार्यक्रम के क्रियान्वयन हेतु आवश्यक तैयारी की गई है। 22 जुलाई को अ 1 दिन सभी कार्यालय, विद्यालय तथा अन्य संस्थाए केवल वृक्षारोपण कार्य में सहयोग देंगी। स्कूलों में कक्षा 6 से कक्षा 8 तक के बच्चों का सहयोग प्राप्त कर बाल पौध रोपण भण्डारा का आयोजन किया जायेगा। भण्डारा में छात्रों को फलदार प्रजाति–आम, अमरूद आदि की कलमे यहतजिमबन्धएवं स्वस्थ पौध वितरित की जायेगी, जिसको छात्र द्वारा अपने आवास पर उपलब्ध भूमि पर या स्कूल की भूमि पर रोपण कर अनुरक्षण किया जायेगा। ग्राम्य विकास विभाग द्वारा जारी शासनादेश के माध्यम से ग्राम्य विकास विभाग एवं पंचायतीराज विभाग हेतु निर्धारित पौधारोपण लक्ष्य की पूर्ति हेतु निर्देश जारी किये गये है।

प्रभास-कृति की फिल्म आदिपुरुषश के मेकर्स ने ली राहत की सांस, सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया बड़ा फैसला

प्रोस-प्रकृत आदिपुरुष रिलीज से पहले ही चर्चा में आ गई थी। ओम राउत के निर्देशन में बनी प्रभास और कृति सेनन स्टारर इस फिल्म का जब से टीजर आया था तब ही इसकी बवाल मचा था।

फिल्म को लेकर इलाहाबाद हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई थी, जहां लोगों ने फिल्म के मेकर्स पर ये आरोप लगाया था कि उन्होंने लोगों की भावनाओं को इस फिल्म से आहत किया है।

समाचार एजेंसी एएनआई ने हाल ही में केअपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बारे में बताया। उन्होंने लिखा, सुप्रीम कोर्ट ने निर्माताओं के खिलाफ अलग-अलग कोर्ट में चल रही सुनवाई पर रोक लगा दी है। इतना ही नहीं, कोर्ट ने इआदिपुरुष के मेकर्स द्वारा इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ दायर की गई अपील में भी नोटिस जारी किया गया है, जिसमें मेकर्स को जुलाई में कोर्ट में पेश होने के लिए कहा गया था। इतना ही नहीं, सुप्रीम कोर्ट ने प्रभास और कृति सेनन की फिल्म इआदिपुरुष के खिलाफ प्रदर्शन कर CBFC सर्टिफिकेट को रद्द करने की मांग करने वाली जनहित याचिका को भी खारिज कर दिया है।

इलाहाबाद समेत कई कोर्ट में फिल्म पर बैन करने की मांग की गई थी। आदिपुरुष पर चल रही सुनवाई पर अब सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया है।

प्रभास और कृति सेनन स्टारर आदिपुरुष को लेकर एक लंबे समय से विवाद चल रहा है। ओम राउत के निर्देशन में बनी इस माइथोलॉजिकल

प्रभास और कृति सेनन स्टारर आदिपुरुष को लेकर एक लंबे समय से विवाद चल रहा है। ओम राउत के निर्देशन में बनी इस माइथोलॉजिकल फिल्म को लेकर इलाहाबाद हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई थी, जहां लोगों ने फिल्म के मेकर्स पर ये आरोप लगाया था कि उन्होंने लोगों की भावनाओं को इस फिल्म से आहत

मेरे महापौर बनने में व्यापारियों का विशेष योगदान : महापौर

लखनऊ(संवाददाता)। राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड द्वारा आयोजित व्यापारी सम्मेलन में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल रही महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवाल द्वारा व्यापारियों को

संबोधित करते हुए उनकी सभी समस्याओं को त्वरित निस्तारित किये जाने का आश्वाशन किया। इस दौरान महापौर ने अपने संबोधन में व्यापारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि, मेरे इस मुकाम तक पहुंचने और मेरे महापौर बनने के पीछे लखनऊ के समस्त आम जन भाजपा के सभी सम्मानित वरिष्ठ व बड़े नेताओं के साथ व्यापारियों का विशेष सहयोग व आशीर्वाद भी रहा है।इस पश्चात मा. महापौर जी ने जल कर एवं गृहकर से संबंधित प्राप्त पत्र पर कहा कि जल्दी ही समस्त व्यापारियो की एक बैठक आहूत की जाएगी।जिसमें जलकर एव गृहकर इत्यादि समस्याओं से व्यापारी मुझे व संबंधित अधिकारियों को स्वयं ही अवगत करवा कर उस समस्या को निस्टेटित करने के सुझाव पेश कर सकेंगे। जनहित के लिए कल्याणकारी सभी सुझावों को सुनकर संबंधित समस्याओं को त्वरित रूप से निस्तारित किया जाएगा।साथ ही उन्होंने कहा कि वर्तमान समय मे नगर निगम के अंतर्गत लगभग साढे नौ लाख ग्रह आते है जिनमे से महज साढे 3 लाख को पत्र कर आता है, ऐसे मे निगम को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ता है,इसके लिए अधिक से अधिक वसूली वृहद अभियान के रूप में करवाकर निगम की आय बढ़ाये जाने हेतु तो योजना तैयार की ही जा रही है, लेकिन इस बीच व्यापारियों द्वारा निगम के विद्यालयों को गोद लेकर उनकी पूर्ण रूप से देख रेख करने का जिम्मा उठाना अत्यंत सराहनीय है।सम्मानित व्यापारियों द्वारा नगर निगम के 6 विद्यालयों कको गोद लिए जाने के अत्यंत उत्कृष्ट योगदान हेतु महापौर जी ने उनका आभार व्यक्त किया।उक्त आयोजन में सभी सम्मानित नेताओं ने संबोधन कर सरकार द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी-योजनाओं से अवगत कराते हुए उनसे होने वाले फायदों की जानकारिया दी।साथ ही व्यापारियों के हितार्थ सरकार द्वारा किये जा रहे कार्यों एवं उनके विकास हेतु समय समय पर रणनीति तैयार कर योजना बना के उन्हें अमल में लाये जाने इत्यादि पर प्रकाश डाला और व्यापारियों को हर संभव सहायता प्रदान किये जाने का आश्वाशन दिया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में महापौर के अतिरिक्त मा. वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, मा. प्रदेश उपाध्यक्ष, विधायक पंकज सिंह एवं नगर अध्यक्ष,सदस्य विधान परिषद मुकेश शर्मा के साथ भाजपा के अन्य बड़े नेता, कार्यकर्ता एवं भारी संख्या में व्यापारीगण शामिल रहे।

तेजस्वी यादव जे की मणिपुर घटना की कड़ी निंदा

पटना (एजेन्सी)। मणिपुर की घटना को लेकर बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि इस घटना की जितनी निंदा की जाए वह कम है। लेकिन मणिपुर के मुख्यमंत्री जिस तरह से बयान दे रहे है वो तो और भी शर्म की बात है। उन्होंने कहा कि बेंगलुरु में

विपक्षी एकता की जो बैठक हुई थी उस बैठक मे भी मणिपुर की घटना को लेकर हम लोगो ने आपस मे बातचीत की थी। तेजस्वी यादव ने कहा कि संसद का मानसून सत्र आज से शुरू हो रहा है इस घटना को लेकर सभी विपक्षी पार्टियो ने सदन के अंदर चर्चा के लिए अपनी बाते रखी है, लेकिन हमारे देश के प्रधानमंत्री मणिपुर की घटना को लेकर कुछ बयान नही देते है। तेजस्वी यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री का सिर्फ एक ही काम है विपक्ष के नेताओ को सिर्फ गाली देना अपने काम पर वह चर्चा कम करते है लेकिन विपक्ष के काम पर चर्चा ज्यादा करते है। तेजस्वी यहीं नहीं रुके उन्होंने आगे कहा कि मणिपुर की घटना को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी जब मणिपुर जा सकते है तो प्रधानमंत्री मणिपुर क्यों नही जा सकते हैं। जब राहुल गांधी इस मामले को लेकर सरकार को संज्ञान मे लाते है तो प्रधानमंत्री को इस मामले पर स्वत संज्ञान लेना चाहिए। राजद नेता ने यहा तक कहा कि यदि मणिपुर में विपक्ष की सरकार होती तो ना जाने केंद्र सरकार किन किन एजेंसियों को यहां एक्टिव कर देती।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग, बक्शीपुर, जनपद – गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला –द्वितीय तल, पुष्पांजलि काम्पलेक्स शाही मार्केट, गोलघर,जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।

सम्पादक
शक्ति शंकर

मो0 :- (+91) 7233999001